शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए फरवरी, 2024 माह का मासिक सारांश:

फरवरी, 2024 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

(i) माननीय प्रधान मंत्री ने 20 फरवरी, 2024 को जम्मू से 13,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन/लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें से 37 उच्च शिक्षण संस्थाओं – आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, आईआईएम, आईआईएसईआर, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 12,234.00 करोड़ रुपये की 41 परियोजनाएं उच्चतर शिक्षा विभाग की थीं। आईआईटी, भिलाई, आईआईटी तिरूपति और आईआईएम जम्मू जैसी कुछ प्रमुख संस्थाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं। इसके अतिरिक्त, मौजूदा संस्थानों में अतिरिक्त अवसंरचना जैसे – शैक्षणिक/प्रशासनिक भवन, छात्रावास, संकाय निवास, अनुसंधान पार्क/प्रयोगशाला आदि का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त पीएम उषा के तहत 78 राज्य विश्वविद्यालयों के लिए 3600.00 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

इससे पहले दिनांक 03 फरवरी, 2024 और 06 फरवरी, 2024 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा क्रमशः आईआईएम संबलपुर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) गोवा के स्थायी परिसरों का उद्घाटन किया गया। 401.94 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आईआईएम संबलपुर का परिसर 200 एकड़ में फैला हुआ है। इसी प्रकार, 390.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एनआईटी, गोवा का परिसर 113 एकड़ में फैला हुआ है।

(ii) एपीएएआर संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन: एक राष्ट्र एक छात्र आईडी कार्ड का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 13.02.2024 को किया गया। माननीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एपीएएआर आईडी देश के छात्रों के लिए आकांक्षी और वैश्विक दस्तावेज बनेगा। उन्होंने सुचारु संचालन हेतु एपीएएआर आईडी, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डिजिलॉकर की अंतरसंबद्धता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। एपीएएआर आईडी और क्रेडिट सिस्टम को जॉब प्रोफाइल के साथ एकीकृत करने और शिक्षा में डिजिटल लॉकर की विकासशील भूमिका के आकलन हेतु दो पैनल चर्चाएं भी आयोजित की गईं। एपीएएआर आईडी एक महत्वपूर्ण डिजिटल लोक अवसंरचना (डीपीआई) है और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संकल्पित किया गया है जिसमें छात्र अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) पर पंजीकरण कर सकते हैं। वर्तमान में शिक्षार्थियों की लगभग 29.18 करोड़ एपीएएआर आईडी बनाई गई हैं, जिसमें लगभग 25.17 करोड़ शिक्षार्थी स्कूल से, 2.68 करोड़ उच्च शिक्षा से और 1.32 करोड़ शिक्षार्थी कौशल संस्थानों से हैं।

दिनांक 07.02.2024 से, देश के दूरदराज के गांवों में सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से छात्रों को एपीएएआर (स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री) आईडी से जुड़ने और उसके लिए पंजीकरण की सुविधा भी प्रदान की गई है।

(iii) नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के 52वें संस्करण का उद्घाटन दिनांक 10.02.2024 को माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा भारत में सऊदी अरब के राजदूत की उपस्थिति में किया गया। मेले का विषय 'बहुभाषी भारत: एक जीवंत परंपरा' था क्योंकि भारत अपनी भाषाई विविधता और वैश्विक साहित्यिक परंपराओं का जश्न मना रहा है। आयोजन के दौरान 'सभी के लिए राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी' ऐप सहित, 'ई-जादुई पिटारा' एक अभिनव ई-अधिगम प्लेटफॉर्म जिसमें पहेलियां और कहानियां शामिल हैं, "इग्नाइटिंग कलेक्टिव गुडनेस मन की बात@100" रेडियो शो के 100 एपिसोड का संकलन, जी20 पहल, विकसित भारत और नारी शक्ति वंदन और विषय-विशिष्ट मॉड्यूल संबंधी शिक्षण-अधिगम संसाधन जैसी कई पहल शुरू की गईं। लगभग 18 लाख आगंतुकों ने पुस्तक मेले का दौरा किया जिसमें स्कूली बच्चे, लेखक, पुस्तक प्रेमी, प्रकाशक, गणमान्य व्यक्ति आदि शामिल थे।

(iv) माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 11.02.2024 को आईआईटी भुवनेश्वर, अनुसंधान और उद्यमिता पार्क (आरईपी) में दो दिवसीय 100 क्यूब स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों पर पाँच समानांतर सत्र; नए सभागार का उद्घाटन; कई परियोजनाओं की आधारशिला; और 16 स्टार्ट-अप और आरईपी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जैसी कई अन्य गतिविधियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, विदेशी सरकारों के प्रतिनिधियों, उद्योग प्रतिनिधियों, विशेष रूप से गहन तकनीक क्षेत्र, शिक्षा, स्टार्ट-अप, छात्रों और अन्य प्रतिष्ठित व्यापारिक प्रमुखों ने भाग लिया।

(v) ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 शिक्षा कार्य समूह (ईडीडबल्यूजी) की पहली बैठक दिनांक 05.02.2024 को आयोजित की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में की गई पहलों जैसे स्वयम, स्वयम प्रभा, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, समर्थ, शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक, 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम, दीक्षा, निष्ठा, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय परामर्शदाता मिशन, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए उद्योग सहयोग और उभरती प्रौद्योगिकियों में शिक्षकों को समर्थ बनाने पर प्रकाश डाला गया।

(vi) मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के तत्वावधान में 'विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं संबंधी क्षमता निर्माण' के हिस्से के रूप में 'प्रत्येक विभाग के लिए मास्टरक्लास' का आयोजन दिनांक 28.02.2024 को किया गया था। यह सत्र 'विशिष्ट शिक्षण अक्षमताओं (एसएलडी) संबंधी क्षमता निर्माण' के तहत नियोजित सत्रों की श्रृंखला का हिस्सा था, जो उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में शामिल होने वाले एसएलडी वाले छात्रों की चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करने व ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए संकाय और कर्मचारियों की क्षमताओं का संवर्धन करता है।

(vii) 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान दिनांक 28.02.2024 से शुरू किया गया था जो सभी विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/एचईआई के सहयोग से दिनांक 14.03.2024 तक जारी रहा, जिसका उद्देश्य उनके परिसरों में व्यापक मतदाता जागरूकता गतिविधियों का संचालन करना है। आयोजनों की श्रृंखला का उद्देश्य चुनावों में युवाओं की सार्वभौमिक प्रबुद्ध भागीदारी सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों को सूचित किया गया कि वे परिसर के भीतर मतदाता जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को करने के साथ-साथ MyGov प्लेटफॉर्म पर

ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्थान निर्दिष्ट करें।

(viii) स्वयम प्लस प्लेटफॉर्म का शुभारंभ माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 27.02.2024 को किया गया था। शिक्षा मंत्रालय द्वारा बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों के लिए शैक्षिक अवसर प्रदान करने वाला मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) प्लेटफॉर्म स्वयम, 2017 में शुरू किया गया था। एनईपी 2020 के अनुरूप, स्वयम प्लस प्लेटफॉर्म में अब उद्योग की जरूरतों की पूर्ति करने वाले पाठ्यक्रम शामिल होंगे जो शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाएंगे। एलएंडटी, माइक्रोसॉफ़्ट, सीआईएससीओ और अन्य उद्योग दिग्गजों के सहयोग से विकसित, स्वयम प्लस में बहुभाषी सामग्री, एआई-सक्षम मार्गदर्शन, क्रेडिट पहचान और रोजगार के अवसर जैसे नवीन तत्व शामिल हैं।

(ix) शिक्षा और कौशल विकास संबंधी भारत-अमेरिका कार्य समूह की दूसरी बैठक आभासी रूप में दिनांक 27.02.2024 को शिक्षा और कौशल विकास क्षेत्रों में दो देशों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में, कार्यबल चुनौतियों का समाधान करने, अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच परस्पर अधिगम और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट उद्देश्यों वाले लक्ष्यों की पहचान की गई।

****